ये बंसी वैरन है

धुन- ये दिल तो पागल है

ये बंसी वैरन है, दो घड़ी चैन से न सोने दे ॥,
*लवों पे कब, जा करके बैठी, मन चाही न होने दे,,,
ये बंसी वैरन है, दो घड़ी चैन से ना सोने दे ॥

उनके अधरों, पे लवों को, हम भी रख के देखें,
जिस रस को है, चखती बंसी, हम भी चख के देखें ॥
*प्रेम की अमृत, वर्षा में, तन मन को ना भिगोने दे,,,
ये बंसी वैरन है, दो घड़ी चैन से ना सोने दे ॥

श्याम हमारा, दिलबर है कुछ, हक हमारा होगा,
हसरतें है, दिल की दिल में, कैसे गुज़ारा होगा ॥
*कभी कहा ना, बहती गंगा में, हाथ हमे भी धोने दे,,,
ये बंसी वैरन है, दो घड़ी चैन से ना सोने दे ॥

पथरीला पथ है, टेढ़ी राहें, दूर बड़ा बरसाना,
सपना लेकर, आते हैं सब, ख़ाली पड़ता जाना ॥
*कमल सिंह ना, रोके हमे, अब जी भरके रोने दे,,,
ये बंसी वैरन है, दो घड़ी चैन से ना सोने दे ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28408/title/ye-bansi-vairan-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |